**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**सोमवार, 28 जुलाई, 2014, 6 श्रावण, 1936 (शक) अतारांकित प्रश्‍न सं. 2086**

**राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम में तेजी लाया जाना**

**2086. श्री हुसैन दलवई:**

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या निर्माण-प्रचालन-हस्तांतरण (बीओटी) आधार पर टोल सड़कों का निर्माण किए जाने के लिए सार्वजनिक-निजी-सहभागिता (पीपीपी) की पद्धति का आक्रामक रूप से अनुसरण करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) में तेजी लाए जाने की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) महाराष्ट्र में पीपीपी आधार पर निर्माण किए जाने हेतु कितनी राजमार्ग परियोजनाओं की पहचान कर ली गई है?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री कृष्‍णपाल गुर्जर)**

**(क) और (ख)** जी, हॉं। राष्‍ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) में तेजी लाने की आवश्‍यकता है क्‍योंकि राष्‍ट्र को स्‍थायी विकास और समृद्धि के लिए उच्‍च स्‍तरीय राजमार्गों की शीघ्र आवश्‍यकता है। परंतु, विशेष रूप से राजमार्ग क्षेत्र के संदर्भ में मौजूदा बाजार की स्‍थितियों को ध्‍यान में रखते हुये वर्तमान में सरकार का ध्‍यान सार्वजनिक वित्‍त पोषित इंजीनियरिंग, अधिप्राप्‍ति और निर्माण (ईपीसी) के माध्‍यम से राजमार्गों के कार्यान्‍वयन पर रहेगा। एक बार ईपीसी परियोजनाओं के निष्‍पादन के माध्‍यम से राष्‍ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र में तेजी आ जाये और सार्वजनिक-निजी-सहभागिता (पीपीपी) पद्धति को क्षति पहुंचाने वाले वर्तमान मामलों का ठीक से निपटान कर लिया जाये, फिर राष्‍ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाने के लिए निर्माण-प्रचालन-हस्तांतरण (बीओटी) (टोल) सहित पीपीपी पद्धति को बहाल किया जाएगा।

**(ग)** महाराष्‍ट्र राज्‍य में भारतीय राष्‍ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा पीपीपी आधार पर 23 राजमार्ग परियोजनाएं आरंभ की गई थीं जिनमें से 6 परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं, 2 परियोजनाओं को बंद करना पड़ा और शेष परियोजनाएं कार्यान्‍वयन के विभिन्‍न स्‍तरों पर हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने महाराष्‍ट्र सरकार के राज्‍यीय लोक निर्माण विभाग के माध्‍यम से इंदापुर से जारप खंड को चार लेन बनाने के लिए राष्‍ट्रीय राजमार्ग-17 खंड की पहचान की है।

\*\*\*\*